सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना

मासिक ई पत्रिका अंक 27

अगस्त-2022

चयनित आदर्श गाँव

गाँव के विकास से भारत के विकास
का मॉडल-यही उद्देश्य हमारे सामने है।
हमारा विश्वास है - हम होंगे कामयाब।

- पद्मश्री जयप्रकाश

sf10idealvillage
suryaadarshgaonyojana
suryafoundation1
@suryafnd
surya_foundation
suryafoundation
www.suryafoundation.org

मेरा गाँव
मेरा बड़ा परिवार

ग्रामीणों को दी गयी सरकारी योजनाओं की जानकारी

मूण्डला (मध्य प्रदेश)

सूर्या फाउण्डेशन-आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश के आदर्श गाँव मूण्डला में सरकारी योजनाओं से संबंधित शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर के आयोजन का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को उन सभी सरकारी योजनाओं की जानकारी देना है। क्योंकि सरकार की कई योजनाएं पोस्ट ऑफिस द्वारा संचालित हैं जैसे- समय जमा योजना (FD), सार्वजनिक भविष्य निधि (PPF), सुकन्या समृद्धि योजना, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (SCSS), आवर्ती जमा योजना (RD), राष्ट्रीय बचत पत्र (NSC) मासिक आय योजना (MIS) आदि के साथ-साथ अलावा नागरिकों के हेल्थ पॉलिसी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जिसके माध्यम से 18 वर्ष से 65 वर्ष के नागरिक को साल में एक बार 399 रुपये में 10 लाख का एक्सीडेंटल बीमा कवर मिलता है।

किसान हमेशा खेती के कार्यों में लगा रहता है, जिसमें कई प्रकार की दुर्घटनाएँ हो सकती हैं। इस स्थिति में उसको इसका लाभ मिलेगा। पोस्ट ऑफिस का सम्बन्ध सरकार से होता है तो इसमें जोखिम और धोखाधड़ी की संभावना भी नहीं रहती है। सभी ग्रामीणों ने इन योजनाओं को समझा साथ ही गाँव के 12 लोगों ने स्वास्थ्य बीमा और 10 लोगों ने अपनी बच्चियों का सुकन्या समृधि योजना में खाता खुलवाया। इस शिविर में श्री प्रतिपाल जी (ब्रांच पोस्ट मास्टर), श्री मोहित जी (मल्टी टास्किंग स्टाफ) श्री गीतम सिंह जी (पोस्टमास्टर) के साथ-साथ 60 ग्रामीण उपस्थित रहे।

अन्य कार्य

- दो महिला स्वयं सहायता समूहों को 50-50 हजार का लोन मिला।
- गाँव की ग्राम विकास समिति और भजन मंडली ने मिलकर सभी गाँव वालों के सहयोग से धार्मिक आयोजनों के लिये मंदिर प्रांगण में लगभग 40 हजार रुपये का टीन शेड निर्माण कराया।

प्राकृतिक कृषि जागरुकता हेतु सेमिनार का आयोजन

टुडीला (मध्य प्रदेश)

मध्य प्रदेश के टुडीला गाँव में प्राकृतिक खेती की जानकारी हेतु एक सेमिनार का आयोजन किया गया। इस सेमिनार में गाँव के 45 किसानों ने हिस्सा लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को रासायनिक खेती के दुष्प्रभाव और जैविक खेती के लाभ की जानकारी देना है। इसमें श्री कमलेश जी (पूर्व कृषि विस्तारक अधिकारी) जी ने किसानों को बताया कि आज खेती में किसानों द्वारा रसायनों का बहुत अधिक प्रयोग किया जा रहा है। उसका दूरगामी परिणाम बहुत बुरा होने वाला है, जिसके संकेत अभी से मिलने लगे हैं जैसे आज कैंसर जैसी भयानक बीमारियाँ इसी रासायनिक खेती की देन है। साथ ही मिट्टी की कठोरता बढ़ रही है और जमीन बंजर होती जा रही है।

इसलिए किसानों को प्राकृतिक खेती की ओर ध्यान देने की जरूरत है। जिससे हमारी मिट्टी की उर्वरा शक्ति तो बढ़ेगी ही साथ ही आज आने वाली बीमारियों से भी बचा जा सकता है। इस सेमिनार में उपस्थित किसानों ने जैविक खेती की शुरुआत करने को लेकर संकल्प लिया। साथ ही अपने घर में गौ-माता के गोबर, गौ-मूत्र से खाद तैयार कर उसका उपयोग खेती में करने का निर्णय भी लिया। इस सेमिनार में खंड संघ संचालक श्री महेंद्र तोमर जी, विभाग ग्राम विकास प्रमुख श्री भारत सिंह भदौरिया, सह जिला ग्राम विकास प्रमुख श्री गिर्राज सिंह तोमर, सूर्या रोशनी लाइट डिवीजन मालनपुर श्री संजय कुशवाहा जी मौजूद रहे।

अन्य कार्य

- गाँव में 20 नीम के पौधे लगाए गए।
- गाँव के 20 युवाओं ने गाँव में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया।
- गाँव के मंदिर प्रांगण में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

प्लास्टिक मुक्त गाँव का लिया संकल्प

बसई का मझरा (उत्तराखण्ड)

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत स्वच्छता एवं प्लास्टिकमुक्त भारत अभियान बहुत जोरशोर से चला रहा है। इसी के अंतर्गत ऊधमसिंह नगर जिले के आदर्श गाँव बसई के मँझरा में संस्कार केन्द्र के बच्चों व गाँव के लोगों ने पॉलीथिनमुक्त गाँव बनाने का संकल्प लिया है, जिसके तहत गाँव में समय-समय पर कार्यक्रम होते रहते हैं। जैसे गाँव में कपड़े का थैला वितरण करना, जागरुकता रैली, गोष्ठी आदि। 5 अगस्त को इको ब्रिक्स बनाने का कार्यक्रम भी किया गया, जिसमें बच्चों को उपयोग करने के उपाय वीडियो के माध्यम से सिखाया गया।

इको ब्रिक्स अभियान में गाँव के 30 बच्चों के साथ उनके माता-पिता भी इस अभियान से जुड़े और इको ब्रिक्स बनाने में बच्चों की मदद की। घरों में पड़ी पुरानी बोतलों में पॉलिथीन को भरकर उपयोग किया गया। यही प्लास्टिक गाँव के गलियों व खेतों में प्रदूषण फैलाती हैं। इस अभियान में बड़ी संख्या में पालिथीन को बोतलों में पैक किया गया।

मुख्य अतिथि श्री अजय खरसन जी ने बताया कि पॉलीथिन का उपयोग करके हम पर्यावरण को नुकसान पहुँचा रहे हैं और आने वाली पीढ़ी को गंभीर बीमारियों को न्योता भी दे रहे हैं। आज के समय में पॉलिथीन हमारे जीवन का इतना जरूरी हिस्सा बन गया है कि इतनी जल्दी उसको दूर करना मुश्किल होगा। इसलिए आज देश भर में कई संस्थाएँ पॉलिथीनमुक्त अभियान चला रही हैं। इसी अभियान को सूर्या फाउण्डेशन भी 400 गाँव में आगे बढ़ा रहा है।

बच्चों ने बनाई ईको ब्रिक्स

लगाये गए 5 ट्री गार्ड

हर घर तिरंगा रैली

बसई के सूर्या संस्कार केन्द्र पर अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम भी मनाया गया, जिसमें बच्चों ने देशभक्ति गीत, डांस, कविता आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

कम्प्यूटर प्रशिक्षण शिविर

हिन्दूपुर (आन्ध्र प्रदेश)

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत ग्राम विकास हेतु समय-समय पर गाँव के ग्रामीणों हेतु कई तरह के आयाम संचालित करता है। इसी के तहत सूर्या फाउण्डेशन द्वारा चयनित आदर्श गाँव गोल्लापुरम में 10 दिनों का कम्प्यूटर प्रशिक्षण शिविर लगाया गया, जिसमें कक्षा 6-8 तक के 30 भैया-बहनों ने भाग लिया। शिविर का उद्घाटन मंडल परिषद उन्नत पाठशाला के हेड मास्टर श्री गोविंदप्पा जी द्वारा हुआ। फाउण्डेशन की ओर से बच्चों को डायरी व पेन दिया गया। शिविर के अंतिम दिन में सिखाए गए विषय की परीक्षा भी हुई। प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर आने पर बच्चों को पुरस्कार दिया गया। शिक्षक श्री आर. महेश जी का विशेष सहयोग रहा। सूर्या फाउण्डेशन के इस शिविर की सभी ने सराहना की।

पशु चिकित्सा शिविर

आदर्श जोत (दार्जिलिंग)

गाँव में जानकारी के अभाव के कारण बहुत सारे पशुओं की अकारण ही मृत्यु हो जाती है। गाँव में कुछ ऐसे बीमारी हैं, जो मौसम के अनुसार आते रहते हैं। उससे कैसे बेजुबान पशुओं को सुरक्षित किया जा सकता है। इसके लिए सूर्या फाउण्डेशन सदैव प्रयासरत रहती है। गाँव में ज्यादातर आबादी पशुपालन पर आधारित है। इसी समस्या के समाधान के लिए पूरे देशभर में सूर्या फाउण्डेशन द्वारा अनेकों प्रकार से ग्राम विकास के आयाम चलाए जा रहे हैं। जिसके तहत ग्रामीणों को जागरुक किया जाता है। इसी क्रम में दार्जीलिंग क्षेत्र के चयनित आदर्श गाँव आदर्श जोत में पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 63 परिवार के 48 गाय, 42 बकरी, 39 मुर्गी और 20 बतख का वेक्सीनेशन किया गया। फाउण्डेशन का उद्देश्य यही है कि गाँव में रहने वाले सभी लोगों का भला हो। इस शिविर में पश्चिम बंगाल गवर्नमेंट की पशुपालन विभाग का विशेष योगदान रहा।

अन्य कार्य

- गाँव के 55 लोगों द्वारा हर-हर तिरंगा रैली निकाली गई।
- रक्षाबंधन पर एसएसबी केक जवानों को रक्षा सूत्र बांधा गया।
- कृष्णा जन्माष्टमी महोत्सव तथा जन्माष्टमी उपलक्ष में नन्द उत्सव मनाया गया।

लंपी महामारी हेतु उपचार व रोकथाम की पहल

नांदियाकल्ला (राजस्थान)

जैसा कि हम लोगों को विदित है कि देश के कई राज्यों में गायों में लंपी स्किन रोग वायरस का संक्रमण बढ़ता ही जा रहा है। जिसकी वजह से खासकर राजस्थान का क्षेत्र इससे ज्यादा ही संक्रमित है। यहाँ हजारों की संख्या में मवेशियों की मौत हो चुकी है। मरने वाले पशुओं में सबसे बड़ी संख्या गायों की है। लंपी स्किन रोग एक संक्रामक रोग है जो फैलता है और कमजोर इम्यूनिटी वाले गायों को खास तौर पर प्रभावित करता है। इस रोग का कोई ठोस इलाज ना होने के चलते अभी देसी और आयुर्वेदिक उपायों के माध्यम से लंपी रोग से संक्रमित हुए गायों को ठीक किया जा रहा है।

आदर्श गाँव नांदियाकल्ला में भी यह बीमारी में बढ़ोत्तरी देखी गई। इसी को ध्यान में रखते हुए ग्रामीणों ने सेवा करने का बीड़ा उठाया। गोसाईं ग्राम विकास सेवा संस्थान एवं सूर्या यूथ क्लब के माध्यम से गायों के लिए आयुर्वेदिक रोटी के साथ-साथ वैक्सीनेशन भी शुरू किया। युवा अलग-अलग टोलियाँ बनाकर भिन्न-भिन्न दिशा में जाकर सभी आवारा एवं पालतू गोवंश को आयुर्वेदिक रोटी खिला रहे हैं।

आयुर्वेदिक रोटी के लिए ग्रामवासियों ने अपने-अपने घर से आटा, हल्दी, घी, शक्कर व काली मिर्च आदि का सहयोग किया। वही दवाइयों की व्यवस्था सेवाभावी ठाकुर गंगा सिंह जी ने करवाई तो

वैक्सीनेशन का कार्य डॉ. संदीप ढाका तथा महिपाल जी नि:शुल्क कर रहे हैं। इसके साथ-साथ पशुपालकों को जागरुक भी कर रहे हैं और इस रोग से बचने के उपाय भी बता रहे हैं।

इस पुनीत कार्य में ग्राम सरपंच जसवंत सिंह भाटी जी के साथ युवा टीम मिलकर कार्य में बढ़-चढ़कर सहयोग कर रहे हैं। भामाशाह संपत राज सिंघवी अध्यक्ष एसएस साहूकार पेठ चेन्नई तथा राजेंद्र कुमार सांखला व बाबूलाल जैन (वार्ड पंच), युवाओं का मनोबल बढ़ा रहे हैं।

बची नहीं गायें अगर, ऐसा होगा हाल
तरसेंगे फिर दूध को, इस माटी के लाल

यह वाक्य स्मरण कर सभी निस्वार्थ भाव से इस आपदा का समाधान कर रहे हैं।

अन्य कार्य

- स्वतंत्रता दिवस पर प्रत्येक घरों में तिरंगा लगाया गया।
- महिला ग्राम संगठन का निर्माण किया गया।
- रक्षाबंधन के अवसर पर एक वटवृक्ष लगाया गया।
- श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में संस्कार के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया।

समूहों को शक्तिशाली बनाने हेतु ग्राम संगठन का गठन

फफूण्डा, मेरठ (उ.प्र.)

अन्य कार्य

- कम्प्यूटर प्रशिक्षण केंद्र व संस्कार केन्द्र के भैया-बहनों द्वारा श्रीराधा - कृष्ण मंदिर में जन्माष्टमी कार्यक्रम मनाया गया।
- संस्कार केन्द्र पर सेवाभावी समूह की महिलाओं और युवाओं ने मिलकर स्वतंत्रता दिवस मनाया।
- रक्षाबंधन पर पर्यावरण बचाओ संकल्प कार्यक्रम किया गया। साथ में हर-घर तिरंगा रैली निकाली गयी, जिसमें 250 लोगों ने हिस्सा लिया।

स्वयं सहायता समूह आज गाँवो में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक अच्छा विकल्प बना है। यह गाँवों में सामाजिक बुराई एवं महिलाओं की सकारात्मक सोच को आगे बढ़ाने के लिये एक शक्तिशाली माध्यम है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएँ अब आय के स्रोत बनाने में सक्षम हैं। महिलाएँ कई क्षेत्रों में बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट, बैंक सखियों, किसान सखियों और पशु सखियों के रूप में काम कर रही हैं। जिसमें स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को ही चुना जाता है। समूह और अधिक सशक्त बने इसके लिए छोटे-छोटे स्वयं सहायता समूह को मिलाकर एक ग्राम संगठन का गठन किया जाता है। जिससे सरकार द्वारा चल रही कई योजनाओं में सीधे लाभ मिल रहा है।

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव की परिकल्पना लेकर सतत प्रयासरत है और देशभर में महिलाओं का जन-जागरण कर समूहों का गठन करवाने में भूमिका निभा रहा है। इसी क्रम में मेरठ के आदर्श गाँव फफूण्डा में 10 महिला स्वयं सहायता समूहों को मिलाकर एक जीवन ज्योति महिला ग्राम संगठन का गठन किया गया है, जो इन समूहों को नई शक्ति और सम्बल देगा। इसमें प्रत्येक समूह में से दो-दो महिलाओं को जोड़ा गया तथा सर्व सहमति से नवज्योति समूह से चंचल को अध्यक्ष, राधा समूह से रजनी को कोषाध्यक्ष और कश्यप स्वयं सहायता समूह से अमृता को सचिव चुना गया।

हर-घर तिरंगा अभियान

वाशिंग पाउडर बनाने का प्रशिक्षण

कादीपुर, काशी (उत्तर प्रदेश)

सूर्या फाउण्डेशन आदर्श गाँव योजना के अंतर्गत समाजसेवा का पर्याय बन गया है। संस्था गाँव के विकास हेतु पूर्ण संकल्पित होकर कार्य कर रही है। इसी क्रम में काशी के गाँव कादीपुर में महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने हेतु रविदास स्वयं सहायता समूह के 20 महिलाओं को कपड़े धोने का वाशिंग पाउडर बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का शुभारंभ सूर्या फाउण्डेशन के क्षेत्र प्रमुख कुलदीप जी तथा कार्यक्रम के अध्यक्ष धर्मजीत भारती, सेवाभावी संतलाल भारती, समूह सखी राजकुमारी देवी की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन कर हुआ। जिसमें पाउडर बनाने का प्रशिक्षण देने हेतु लोक समिति के अध्यक्ष सुनील जी उपस्थित रहे। समूह की महिलाओं द्वारा 50 किलो डिटर्जेंट पाउडर भी बनाया गया। प्रशिक्षण में निर्मित पाउडर को 500 ग्राम की पैकिंग के 100 पैकेट तैयार किए गये। इसे समूह की महिलाओं ने सर्वप्रथम अपने घरों में प्रयोग शुरु कर दिया है। जिसका फीडबैक सकारात्मक है और उपयोग करने वाली महिलओं का कहना है कि यह पाउडर कपड़े की धुलाई के लिए बहुत अच्छा है। संत रविदास स्वयं सहायता समूह से प्रशिक्षित महिलओं ने इस कार्य को आगे बढ़ाने को लक्ष्य भी लिया।

अन्य कार्य

- अमृत महोत्सव के तहत गाँव में जल संरक्षण जागरुकता रैली निकाली गयी।
- रविदास जी स्वयं सहायता समूह को 1,10,000 लोन दिलाया गया।

ग्रामीणों के लिए मीठे पानी की व्यवस्था

नगलावर, मथुरा (उ.प्र.)

समाज के अंतिम व्यक्ति की चिंता करने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जन्म स्थली नगला चंद्रभान के समीप का गाँव नगलावर जो सूर्या फाउण्डेशन द्वारा आदर्श गाँव के रूप में चयनित किया गया है। जहाँ पर सूर्या संस्कार केन्द्र, सूर्या यूथ क्लब, सूर्या सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र के माध्यम से गाँव के बच्चे, युवा एवं बहनों को संस्कारित करने एवं स्वावलंबी बनाने का कार्य किया जा रहा है। वहीं समय-समय पर गाँव के लोगों के सहयोग से ग्राम विकास का कार्य भी हो रहा है।

इसी कड़ी में बहुत समय से ही इस गाँव का पानी खारा होने से कई परिवार तो छोड़कर चले गए तो कई परिवारों में पेट संबंधी बीमारी की अधिकता देखने को मिली। खारे पानी की बजह से लोग पानी का सेवन भी कम करते थे। नहाने, खाने-पीने में सब जगह खारे पानी का ही उपयोग होता रहा है। सूर्या फाउण्डेशन की टीम ने गाँव के सेवाभावियों से चर्चा करके मीठे पानी के बोरवेल के बारे में प्रेरित किया। जिससे प्रेरित होकर गाँव के श्री पूरन सिंह जी ने श्री नारायण सिंह जी की अध्यक्षता में एक प्रस्ताव बनाकर ब्लॉक में दिया गया। जहाँ पर इस कार्य की स्वीकृति मिल गई लेकिन बोर और पानी की टंकी बनाने के लिए जमीन की समस्या आ रही थी। फिर गाँव के श्री महेंद्र सिंह और राजन सिंह ने अपनी निजी जमीन देकर सेवार्थ बोर कराया तथा गजाधर सिंह और गाँव की सार्वजनिक जमीन पर पानी की टंकी बनाने की सहमति बनी।इस प्रकार से गाँव में अब सरकारी योजना से मीठे पानी की व्यवस्था उपलब्ध हो गई और लोग अब खारे पानी की जगह मीठे पानी का उपयोग कर लगे। इस प्रकार गाँव के लोगों के सहयोग और सूर्या फाउण्डेशन की टीम के प्रयास से गाँव में मीठे पानी की उपलब्धता होने से सभी लोगों में खुशी का माहौल हो गया है।

अन्य कार्य

- हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत तिरंगा वितरण किया गया।
- गाँव में पौधा रोपणकर पांच ट्री-गार्ड लगाये गये।

समूह की बहनों द्वारा तैयार तिरंगा झण्डा

नयागाँव (हरियाणा)

देशभर में भारत की स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है जिसके अंतर्गत माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के अह्वान पर हर घर तिरंगा अभियान चलाया गया, जिसमें बड़ी मात्रा में तिरंगे बनाये गये और हर घर के छतों पर लगाये गये।

हरियाणा प्रान्त के बहादुरगढ़, नयागाँव में ग्राम संगठन की महिलाओं के द्वारा अल्प समय में 13000 तिरंगे बनाकर ग्रामीण आजीविका मिशन को दिया। इस कार्य से ग्राम संगठन की महिलाओं को रोजगार मिला, जिसमें प्रत्येक महिला को लगभग 1500 रुपये आमदनी करने का अवसर मिला। ग्राम संगठन की महिलाओं ने रात-दिन मेहनत की है। ग्राम संगठन की प्रधान श्रीमती प्रेमलता जी ने कहा कि हमारी बहनों ने बड़े ही लगन और मेहनत से कार्य को पूरा किया, तिरंगे बनाने के लिए दिए गए समय से पहले पूरा कर लिया गया। साथ मे बहनों को एक अल्प रोजगार भी मिला। इस सहयोग के लिए सूर्या फाउण्डेशन की टीम को बहुत बहुत बधाई, जो हमें कठिन परिश्रम करने की प्रेरणा देते रहते है।

अन्य कार्य

- स्वतंत्रता दिवस पर स्वयं सहायता समूह की महिलाओं द्वारा कार्यक्रम किया गया, जिसमें 54 संख्या उपस्थित रही।
- सूर्या संस्कार केन्द्र व सूर्या यूथ क्लब पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व मेजर ध्यानचंन्द्र जयंती मनाई गयी।
- संस्कार केन्द्र के बच्चों द्वारा जल संरक्षण जागरुकता रैली निकाली गयी।

समाज की बुराईयों से लड़ने के लिए मातृशक्ति आगे

पेण्ड्री (छत्तीसगढ़)

गाँव को संवारने के लिए महिला समूह का गठन आदर्श गाँव पेण्ड्री में हुआ। ये महिला कमांडो समूह घरेलू हिंसा, दहेज प्रथा, शराब, नशीली दवाओं की खपत और अवैध शराब व्यापार जैसे बड़े पैमाने पर अपराध को रोकने के लिए काम करती हैं, जो समाज के लिए एक मिसाल बनी हुई हैं। गाँव की महिलाएँ टीम के साथ मिलकर काम करती हैं। गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अपने गाँव की सड़कों पर नियमित रूप से गश्त करती हैं। अगर वे किसी को नशे की हालत में या शराब की लत के साथ पाती हैं, तो वे उन्हें नशा छोड़ने के लिए परामर्श देती हैं। इस पहल का असर ऐसा हुआ कि पेण्ड्री में कोई भी व्यक्ति शराब के नशे में बाहर घूमता या जुआ खेलता दिखाई नहीं देता है। अब गाँव में नशा पूर्ण रुप से प्रतिबंधित हो चुका है, जिसके परिणामस्वरूप बच्चे नशे से बहुत दूर हो रहे हैं। और बच्चों का भविष्य उज्वल हो रहा है।

अन्य कार्य

- युवा मितान क्लब को सरकार से मिली 25 हजार रुपये की राशि।
- यूथ क्लब के 15 भैयाओं ने चलाया तालाब पर स्वच्छता कार्यक्रम।

हर घर तिरंगा अभियान

हरदीडीह (गोरखपुर)

देशभर में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत हर घर तिरंगा अभियान कार्यक्रम चलाया जा रहा है। गोरखपुर के सूर्या आदर्श गाँव हरदीडीह में सभी ग्रामीणों ने अपने घरों में तिरंगा लगाया। गाँव में प्रत्येक वर्ष स्वतंत्रता दिवस तथा गणतंत्र दिवस के अवसर पर झंडा रोहण का कार्यक्रम किया जाता है, जिससे ग्रामीणों में देशभक्ति का भाव जागृत हो रहा है। इस वर्ष हर घर तिरंगा अभियान में सेवाभावी समिति तथा यूथ क्लब के युवाओं ने मिलकर गाँव के प्रत्येक घरों में तिरंगा झंडा वितरण किया। इस कार्यक्रम के तहत कुल 70 तिरंगे बाँटे गये।

सूर्या फाउंडेशन ने वृक्षारोपण कर लगाया ट्री गार्ड

न्यूज प्रिन्ट संवाददाता

काशीपुर। सूर्या फाउंडेशन ने आज राजकीय प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में 10 पौधे स्कूल के प्रधानाचार्य संतोष रानी व सूर्या रोशनी के एचआर वरिष्ठ महाप्रबंधक संजीव कुमार के हाथों से लगाया गया।

स्कूल के सभी शिक्षक, छात्र व सूर्या फाउंडेशन के उत्तराखंड के क्षेत्र प्रमुख नीतिश कुमार तथा उसके संरक्षण के लिए ट्री गार्ड भी स्कूल में दिए गए ताकि जो आवारा पशु है उनसे पौधे को संरक्षित किया जाए। संजीव ने बताया गया कि पौधा लगाना एक महान कार्य है जो पर्यावरण के लिए और हमारे जीवन के लिए बहुत ही उपयोगी है। आज हमारे जन्म दिवस के उपलक्ष पर सभी को एक पौधा जरूर लगाना चाहिए तथा अपने जीवन काल में कम से कम 10 पौधे लगाकर उसे संरक्षित कर बड़ा करना हमारा सबसे बड़ा धर्म होना चाहिए।

साथ ही साथ अपने परिवारों में हम जहां भी पौधा लगाते हैं उनको किसी एक व्यक्ति के नाम से रखा जाए ताकि उसका संरक्षण उस व्यक्ति के हाथों से हो और ज्यादा से ज्यादा फलदार पौधे लगाएं ताकि
हमें फल के साथ-साथ
से भी हमें मदद मि
फउंडेशन के क्षेत्र प्रमुख नी
ने कहा कि आओ मि
लगाएं, हरा भरा यह धरा

पेड़ लगाना काम महान एक पेड़ 10 पुत्र समान के धेय को ले करके हम सब को एक संकल्प करना है कि हम सब हरेक वर्ष पौधा लगा कर उसे संरक्षित करेंगे तथा अपने गांव को

सूर्या फाउंडेशन की ओर से रक्षाबंधन पर्व मनाया गया

खोरीबाड़ी, ११ अगस्त। गुरुवार को सूर्या फाउंडेशन की ओर से भारत नेपाल सीमा पर स्थित एसएसबी पानीटंकी समवाय तथा व सीमा चौकियों पर जवानों के रक्षा सूत्र बांधकर उनके साथ रक्षाबंधन पर्व मनाया। कार्यक्रम में बबीता छेत्री, असिस्टेंट कमांडेंट हर्ष सिन्हा, निरीक्षक प्रियंका मिश्रा, उप निरीक्षक जगबीर सिंह नेगी, उप निरीक्षक दीपेन गोगोई, सूर्या फाउंडेशन के सोबिंद बर्मन, बबीता चौहान, रोहित राय, निरंजन गोस्वामी सहित सीमा चौकियों के जवान उपस्थित रहे। बताया की वर्दीधारी के लिए हर क्षण रक्षा करने के लिए ही होता है। वर्दी धारण करने के साथ सब रक्षा का संकल्प लेते हैं । भारत- नेपाल, भारत- भूटान सीमा के साथ नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्र तथा देश में अशांत माहौल होने पर एसएसबी देश रक्षा के लिए तत्पर रहती है। इसके साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण स्वास्थ्य स्वावलंबन आदि का कार्य भी किया जाता है। सूर्या फाउंडेशन क्षेत्र प्रमुख भीखपुरी गोस्वामी ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्र में रहने के कारण हमारा दायित्व अधिक बढ़ जाता है हम सभी भारत माता की संतान है इस नाते आपस में रक्षा सूत्र बांधकर संकल्प लेते हैं कि भारत मां का मान बढ़ाएंगे साथ ही वृक्षारोपण अभियान के तहत इस रक्षाबंधन के अवसर पर देशभर के १८ राज्यों में सूर्या फाउंडेशन द्वारा लंबी आयु के पीपल तथा वट वृक्ष लगाकर सुख समृद्धि की कामना की जाती है। एसएसबी के अधिकारियों की तरफ से रक्षा सूत्र बांधने वाली सभी बहनों को अपनी ओर से तिरंगा भेंट किया गया।

విలేజ్‌గా దత్తత తీసుకోవాలని వినతిపత్రం అందజేశారు. చెట్లకు మూడేళ్ల పాటు నీటి సౌకర్యం కూడా కల్పిస్తామని తెలిపారు. కార్యక్రమంలో సర్పంచ్ ఏంజేరప్ప, మాజీ సింగిల్‌విండో అధ్యక్షుడు సంతోష్, జగన్నాథ్, తిప్పేస్వామి, నాగరాజు, రైతులు పాల్గొన్నారు.

పాఠశాలల్లో ఉచిత కంప్యూటర్ శిక్షణ

హిందూపురం, ఆగస్టు 18: సూర్యఫౌండేషన్ ఆధ్వర్యంలో గోళ్లాపురం ఆదర్శగాన్ యోజన కింద ప్రభుత్వ పాఠశాలల్లో పదిరోజులపాటు ఉచిత కంప్యూటర్ శిక్షణ ఇస్తున్నట్లు ఫౌండేషన్ సంస్థ ప్రతినిధి వేణుగోపాల్ తెలిపారు. 6-8వ తరగతి విద్యార్థులు సద్వినియోగం చేసుకోవాలన్నారు.